एक नजर में

स्वास्थ्य शिविर में 409 मरीजों को मिला उपचार

नवभारत न्यूज ,खंडवा। नागरिकों को उनकी पात्रता अनुसार सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से प्रदेश भर में चलाए जा रहे 'संकल्प से समाधान' अभियान के तहत बुधवार को ग्राम नागचून व सिहाड़ा में शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में ग्रामीणों की सैकड़ों समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया गया। जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी केआर कानूड़े ने बताया कि सिहाड़ा शिविर में कुल 407 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका निराकरण कर दिया गया। यहाँ 4 आयुष्मान कार्ड, पशुपालन विभाग द्वारा 4 ऋण स्वीकृति आदेश, 8 जन्म प्रमाण पत्र, 6 मृत्यु प्रमाण पत्र और 5 पेंशन स्वीकृति आदेश हितग्राहियों को सौंपे गए। इसी तरह नागचून में आयोजित शिविर में प्राप्त सभी 670 आवेदनों का निराकरण किया गया। यहाँ 5 बालिकाओं को लाड़ली लक्ष्मी प्रमाण पत्र, 7 किसानों को क्रेडिट कार्ड, 2 पशुपालन ऋण स्वीकृति आदेश और 4 आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। अभियान के तहत स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता सुनिश्चित करते हुए दोनों गांवों में स्वास्थ्य शिविर भी लगाए गए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ ओपी जुगतावत ने बताया कि ग्राम सिहाड़ा में 299 और नागचून में 110 मरीजों सहित कुल 409 ग्रामीणों का नि:शुल्क उपचार किया गया। शिविरों में मरीजों की उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हीमोग्लोबिन व सिकलसेल की जांच कर दवाइयां वितरित की गईं और टीबी के संभावित मरीजों के बलगम के नमूने लिए गए। इस दौरान सीबीएमओ डॉ एनके सेठिया, डॉ. गौतम गुर्जर, डॉ शीतल शर्मा, डॉ चन्द्रपाल सोलंकी सहित एएनएम और सीएचओ ने अपनी सेवाएं दीं।

जिला पंचायत के सीईओ डॉ नागार्जुन बी गौड़ा ने अभियान की आगामी रूपरेखा की जानकारी देते हुए बताया कि यह सिलसिला लगातार जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि 19 फरवरी को जनपद पंचायत बलड़ी के ग्राम गंभीर उबारी में शिविर आयोजित किया जाएगा। इसके पश्चात 20 फरवरी को बलड़ी विकासखण्ड के ग्राम भगवानपुरा तथा हरसूद विकासखंड के ग्राम भराड़ी व सड़ियापानी में शिविर लगाए जाएंगे, जहाँ ग्रामीण अपनी समस्याओं का समाधान पा सकेंगे।

पुलिस की अवैध शराब और सट्टे पर कार्रवाई

5 तस्कर और 2 सटोरिये गिरफ्तार

नवभारत न्यूज खंडवा। जिले में अपराधों पर नियंत्रण हेतु पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय के निर्देशन में पुलिस ने सघन अभियान चलाया है। मंगलवार को अवैध शराब, सट्टा और असामाजिक तत्वों के खिलाफ की गई कार्रवाई में पुलिस को बड़ी सफलता मिली। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) और (शहर) के मार्गदर्शन में चले इस अभियान में 5 शराब तस्करों और 2 सटोरियों पर गाज गिरी है। अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए थाना पिपलोद पुलिस ने देवीसिंह और छायाबाई को, थाना खालवा पुलिस ने महेश और डल्लू कोरकू को, तथा मांधाता पुलिस ने गणेश को अवैध हाथ भट्टी और देशी शराब के साथ रंगे हाथों पकड़ा। इन सभी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। वहीं, सट्टे के खिलाफ कार्रवाई में खालवा पुलिस ने उमेश और प्रवीण को सट्टा पर्ची और नकदी के साथ गिरफ्तार कर सट्टा एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने 36 असामाजिक तत्वों पर बीएनएसएस की धाराओं के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की, जिनमें से 17 आदतन अपराधियों को बाउंड ओवर कराया गया। अभियान के दौरान पुलिस ने 1 स्थायी वारंट और 6 गिरफ्तारी वारंट भी तामील कराए। वहीं, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 12 वाहन चालकों से पुलिस ने 4800 रुपये का समन शुल्क वसूल किया।

जिला पंचायत सीईओ डॉ . गौडा ने ग्राम पटाल्दा और रोशनी का दौरा किया

नवभारत न्यूज ,खंडवा। जिला पंचायत खंडवा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौडा ने बुधवार को खालवा ब्लॉक की ग्राम पंचायत पटाल्दा और रोशनी का दौरा कर वहां विभिन्न योजनाओं के तहत संचालित निर्माण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने इस दौरान मिशन अमृत संचय अभियान के अंतर्गत गांव में बनाये जा रहे सामुदायिक रिचार्ज पिट एवं ट्रेंच निर्माण कार्यो का भी निरीक्षण किया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. गौड़ा ने संबंधित अधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों एवं निर्माण एजेंसियों को निर्धारित तकनीकी मापदंडों एवं स्वीकृत कार्ययोजना के अनुसार निर्माण कार्य समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि वर्षा जल संरक्षण से संबंधित कार्यों में स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों एवं जल प्रवाह की दिशा को ध्यान में रखते हुए कार्य किये जाएं ताकि गांव में वर्षा का अधिकतम जल रोका जा सके । उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. गौड़ा ने निरीक्षण के दौरान आजीविका भवन का भी निरीक्षण किया और वहां उपस्थित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से भी चर्चा की।

इंदिरा सागर बांध हर कसौटी पर खरा, निरीक्षण में व्यवस्थाओं को बताया संतोषजनक

नवभारत न्यूज ,खंडवा। केंद्रीय जल आयोग के दल द्वारा इंदिरा सागर बांध एवं पावर स्टेशन का दो दिवसीय निरीक्षण किया गया, जिसमें बांध सुरक्षा, रखरखाव एवं परियोजना के विभिन्न अवयवों का गहन मूल्यांकन किया गया। निरीक्षण के बाद टीम ने बांध और विद्युत गृह की व्यवस्थाओं को संतोषजनक बताते हुए कहा कि सुरक्षा, मेंटेनेंस और निर्धारित नियमों का परियोजना विभाग द्वारा बेहतर तरीके से पालन किया जा रहा है। पूर्व अध्यक्ष केंद्रीय जल आयोग अरुण कुमार बजाज ने जानकारी देते हुए बताया कि इंदिरा सागर बांध हर कसौटी पर खरा उतर रहा है। पावर स्टेशन टीम द्वारा आसपास की व्यवस्थाएं व्यवस्थित और प्रभावी तरीके से संचालित की जा रही हैं। बांध और विद्युत गृह का नियमित रखरखाव समय पर किया जा रहा है, जिससे सुरक्षा मानकों का उच्च स्तर बना हुआ है। उन्होंने कहा कि कई बांधों में कुछ वर्षों बाद खामियां सामने आती हैं, लेकिन इंदिरा सागर बांध में पिछले 20 वर्षों में निरंतर सुधार हुआ है और कोई बड़ी कमी सामने नहीं आई है। पैनल ऑफ एक्सपर्ट्स में बांध सुरक्षा विशेषज्ञों की 11 सदस्यीय टीम शामिल रही, जिसमें राजीव सचदेवा, नरेंद्र कुमार, राकेश चंद शर्मा, एस.पी. मुखर्जी, चंद्रशेखर अय्यर, श्यामलाल कपिल, पी.डी. कमल शेखरन, डी.के. द्विवेदी, अजीत कुमार और सुनील कुमार पांडेय शामिल थे। एनएचडीसी भोपाल मुख्यालय से दीनबंधु पाठक, राकेश पालीवाल और एजाज नासिर मौजूद रहे, वहीं इंदिरा सागर परियोजना से महाप्रबंधक गोपाल खंडेलवाल, अमरेंद्र कुमार एवं मुकेश पटवा भी निरीक्षण में शामिल हुए।

ओंकारेश्वर में स्वास्थ्य सेवाएं 'वेंटिलेटर' पर

सिविल अस्पताल बना महज 'रेफर सेंटर'

एंबुलेंस के इंतजार में एक घंटे तक तड़पता रहा गंभीर घायल

नवभारत न्यूज

ओंकारेश्वर। तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर में स्वास्थ्य सुविधाएं भगवान भरोसे चल रही हैं। कागजों पर जिसे सिविल अस्पताल का दर्जा प्राप्त है, वह हकीकत में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से भी बदतर हालत में है। यहाँ आने वाले हजारों श्रद्धालुओं और स्थानीय रहवासियों की जान से खिलवाड़ हो रहा है। बुधवार को व्यवस्था की यह पोल तब खुल गई, जब सिर में गंभीर चोट लगने के बाद अस्पताल पहुंचे मरीज दिनेश पिता रेवाराम को उपचार के बजाय केवल 'रेफर' की पर्ची थमा दी गई। हद तो तब हो गई जब अस्पताल की अपनी एंबुलेंस खराब होने के कारण मरीज को जिला अस्पताल खंडवा ले जाने के लिए कोई साधन ही उपलब्ध नहीं

था। परिजन लगभग एक घंटे तक 108 एंबुलेंस के इंतजार में तड़पते रहे। यह घटना प्रशासन के उन दावों की धज्जियाँ उड़ाने के लिए काफी है, जो तीर्थ नगरी में विश्वस्तरीय सुविधाएं देने की बात करते हैं।

घटनाक्रम के अनुसार, मरीज के परिजन गुड्डू खतवासे और विकास खतवासे सुबह करीब 10:15 बजे घायल दिनेश को लेकर सिविल अस्पताल पहुंचे थे। यहाँ मौजूद डॉ रवि वर्मा ने प्राथमिक उपचार के बाद हाथ खड़े कर दिए और मरीज को तत्काल खंडवा ले जाने की सलाह दी। जब परिजनों ने अस्पताल की एंबुलेंस मांगी, तो पता चला कि वह खराब पड़ी है और लंबी दूरी तय करने की स्थिति में नहीं है। मजबूरी में 108 एंबुलेंस को कॉल किया गया, जिसे आने में काफी वक्त लग गया। परिजनों का आरोप है कि सुबह 10:15 बजे अस्पताल पहुंचने के बाद भी मरीज को दोपहर 12:00 बजे के करीब खंडवा के लिए रवाना किया जा सका। इस दौरान 'गोल्डन ऑवर' प्रशासनिक लापरवाही की भेंट चढ़ गया। जिम्मेदार डॉक्टर रवि वर्मा ने भी स्वीकार किया कि अस्पताल की एंबुलेंस कंडम हालत में है, इसलिए 108 को बुलाना पड़ा।

ओंकारेश्वर विकास संघर्ष समिति ने इस अव्यवस्था पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। समिति का आरोप है कि रोगी कल्याण समिति केवल नाममात्र की है और अस्पताल प्रबंधन कुंभकर्णीय नींद में है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जो एक एंबुलेंस चालू हालत में होती भी है, उसे अक्सर वीआईपी ड्यूटी या पर्यटन विभाग की पीएम श्री हेली सेवा में लगा दिया जाता है, जिससे आम मरीज बेमौत मरने को मजबूर हैं। पूर्व में भी पोस्टमार्टम कक्ष की दुर्दशा को लेकर मीडिया ने आवाज उठाई थी और टीएल बैठक में कलेक्टर ने फटकार लगाई थी, लेकिन अधिकारियों ने केवल रंगाई-पुताई कर खानापूर्ति कर दी और मूल समस्याओं को जस का तस छोड़ दिया।

> तीर्थ नगरी में यह स्थिति तब है, जब आगामी समय में सिंहस्थ जैसे महाकुंभ की तैयारियां शुरू होनी हैं। आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं और पर्वों पर उमड़ने वाली लाखों की भीड़ के बावजूद यहाँ न तो पर्याप्त स्टॉफ है और न ही जीवन रक्षक उपकरण। मेलों के दौरान यहाँ के बचे-खुचे स्टॉफ की ड्यूटी भी अन्यत्र लगा दी जाती है। नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही यहाँ स्थायी चिकित्सा टीम और सर्वसुविधायुक्त एंबुलेंस की व्यवस्था नहीं की गई, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। यह विडंबना ही है कि जिस स्थान पर देश-दुनिया से श्रद्धालु जीवन की कामना लेकर आते हैं, वहीं की स्वास्थ्य व्यवस्था अपनी आखिरी साँसें गिन रही है।

तीन दिवसीय नेतृत्व विकास प्रशिक्षण का शुभारंभ

नवभारत न्यूज

खंडवा। भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ नई दिल्ली एवं जिला सहकारी संघ खंडवा के संयुक्त तत्वावधान में खंडवा जिले की प्राथमिक वनोपज सहकारी संस्थाओं के संचालकों हेतु तीन दिवसीय नेतृत्व विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ 18 फरवरी को जिला सहकारी संघ कार्यालय, रामेश्वर रोड पर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सहकारिता विभाग खंडवा के उपायुक्त संजय सिंह आर्य रहे। मुख्य वक्ता के रूप में सहकारी प्रशिक्षण केंद्र के पूर्व प्राचार्य केएल राठौर एवं श्री निरंजन कुमार कसारा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अतिथियों का स्वागत संघ के सहायक प्रबंधक मनोज पालीवाल द्वारा किया गया।

प्रारंभिक संबोधन में जिला सहकारी संघ के प्रबंधक मेहताब सिंह भदोरिया ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं संघ की योजनाओं की जानकारी दी। केएल राठौर ने सहकारी आंदोलन के वर्तमान परिदृश्य, सैद्धांतिक पहलुओं तथा संचालक मंडल के अधिकार एवं कर्तव्यों पर प्रकाश डाला। वहीं श्री निरंजन कुमार कसारा ने नेतृत्व विकास के आवश्यक गुणों पर विस्तार से चर्चा की। मुख्य अतिथि संजय सिंह आर्य ने वनोपज सहकारी संस्थाओं में बहुउद्देशीय कार्यों के महत्व और तेंदूपत्ता संग्रहण से संबंधित जानकारी प्रदान की।

बैंक ने सीज किया ट्रैक्टर तो खेत में किसान ने खाया जहर

6 दिन तक मौत से जंग लड़ने के बाद तोड़ा दम

नवभारत न्यूज

खंडवा। जिले में कर्ज के बोझ और बैंक की सख्ती ने एक और अन्नदाता की जान ले ली। पिपलोद थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुरी रैय्यत में रहने वाले 50 वर्षीय किसान बाबूलाल (पिता कालू) ने कर्ज और फसल बर्बादी से परेशान होकर जहर खा लिया था। जिला अस्पताल में पिछले 6 दिनों से जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे किसान ने बुधवार को आखिरकार दम तोड़ दिया। घटना 12 फरवरी की है, जब किसान ने घर से खेत जाते समय रास्ते में विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया था। परिजनों ने उन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। बेटे देवसिंह के मुताबिक, इलाज के दौरान पिता की हालत में सुधार हो रहा था और वे खतरे से बाहर बताए जा रहे थे। एक-दो दिन में उन्हें डिस्चार्ज भी किया जाने वाला था, लेकिन बुधवार को अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और उनकी मृत्यु हो गई।

परिजनों ने बताया कि बाबूलाल पर बैंकों का भारी-भरकम कर्ज था, जिसे लेकर वे

बेहद तनाव में थे। उन्होंने बोरगांव बुजुर्ग स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा से 10 लाख रुपये का केसीसी लोन लिया हुआ था, जिसका ब्याज वे नियमित रूप से भर रहे थे, लेकिन मूलधन अभी भी बकाया था। खेती में लगातार हो रहे नुकसान और आर्थिक तंगी के कारण वे ट्रैक्टर की किश्तें समय पर नहीं भर पा रहे थे। हाल ही में उनकी 7 किश्तें बकाया (ड्यू) हो गई थीं, जिसके चलते बैंक ने सख्त कार्रवाई करते हुए उनका ट्रैक्टर सीज कर लिया था।

बेटे देवसिंह ने बताया कि पिता अक्सर चिंता जाहिर करते थे कि 'अब इतना कर्ज कैसे चुकाएंगे। बैंक द्वारा ट्रैक्टर खींच ले जाने की घटना ने उन्हें अंदर से तोड़ दिया था, जिसके चलते उन्होंने नशे की हालत में यह आत्मघाती कदम उठा लिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

पंधाना विधानसभा पर 152 करोड़ की सौगात

विधायक छाया मोरे ने सीएम, डिप्टी सीएम का माना आभार

नवभारत न्यूज

खंडवा। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2026-27 का बजट खंडवा जिले की पंधाना विधानसभा के लिए विकास की नई इबारत लिखने वाला साबित हुआ है। पंधाना विधायक श्रीमती छाया मोरे के सतत प्रयासों के चलते बजट में विधानसभा क्षेत्र को बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में ऐतिहासिक सफलता मिली है। सरकार ने पंधाना विधानसभा में सड़क निर्माण और सुदृढ़ीकरण के लिए खजाना खोल दिया है। बजट में क्षेत्र की एक दर्जन से अधिक महत्वपूर्ण सड़कों, पुल-पुलियों और ग्रामीण संपर्क मार्गों को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं के तहत कुल लगभग 78.53 किलोमीटर लंबाई के कार्यों पर करीब 152.67 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जिससे हजारों ग्रामीणों की आवागमन सुविधा आसान होगी और क्षेत्र का कायाकल्प होगा।

बजट में मिली इन बड़ी स्वीकृतियों से पंधाना विधानसभा के सुदूर ग्रामीण अंचलों का सीधा

जुड़ाव अब मुख्य मार्गों से हो सकेगा। स्वीकृत की गई प्रमुख परियोजनाओं में बरुड से कालदाखेड़ी मार्ग (भोजाखेड़ी-बरुड़-सरसों-छैगांवमाखन), सिरपुर-जामली-डोंगरगांव-बोरगाव मार्ग, और सिंगोट-मोरदड़-गांधवा-पाड़लिया-शिवल मार्ग शामिल हैं। इसके अलावा पंधाना-निहालवाड़ी-डाभी (पश्चिम निमाड़ सीमा तक), पंधाना-अरुद-बागमला-बोरगाव मार्ग, पिपलोद-हीरापुर मार्ग, निहालवाड़ी-सिरसोद मार्ग और खिडगांव पहुंच मार्ग को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। सड़कों के साथ-साथ बारिश के दिनों में होने वाली परेशानियों को दूर करने के लिए कोंडावत-बंजारी, आंवलिया-पोखर, टेम्भी-दोमाडा और तौरनी-नावली-सिर्रा मार्ग पर झूम पाइप एवं स्लेब कलवर्ट का निर्माण भी किया जाएगा।

पंधाना विधायक छाया मोरे ने इस बजट को विकासोन्मुखी और जनहितैषी बताते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा तथा लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सड़कें विकास की धमनियां होती हैं और 152 करोड़ रुपये से अधिक की इन परियोजनाओं के पूरा होने से किसानों को अपनी उपज मंडी तक ले जाने, विद्यार्थियों को शिक्षण संस्थानों तक पहुँचने और व्यापारियों को व्यापार बढ़ाने में सीधा लाभ मिलेगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बजट 2026-27 में पंधाना विधानसभा को मिली ये ऐतिहासिक स्वीकृतियां क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित होंगी और इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

खंडवा गैंगरेप :मर्डर केस में बड़ा फैसला

बच्चेदानी निकालने वाले दरिंदे हरिराम को आखिरी सांस तक जेल; सबूतों के अभाव में साथी सुनील बरी

नवभारत न्यूज

खंडवा। खंडवा जिला न्यायालय ने जिले को झकझोर देने वाले आदिवासी महिला के साथ हुए जघन्य गैंगरेप और हत्या के मामले में अपना फैसला सुना दिया। मानवता को शर्मसार कर देने वाली इस वारदात में अदालत ने मुख्य आरोपी हरि (उर्फ हरिराम) को दोषी करार देते हुए उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई है, वहीं, मामले में सह-आरोपी बनाए गए दूसरे व्यक्ति सुनील को सबूतों के अभाव में दोषमुक्त कर दिया गया है। विशेष न्यायाधीश ने फैसला सुनाते हुए बेहद तल्ख टिप्पणी की और कहा कि जिस बर्बरता से महिला के साथ यह कृत्य किया गया, वह किसी सामान्य अपराधी का नहीं बल्कि 'राक्षसी प्रवृत्ति' का काम है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि ऐसे जघन्य अपराध में कठोरतम सजा नहीं दी गई, तो समाज में गलत संदेश जाएगा।

घटनाक्रम के मुताबिक, यह दिल दहला देने वाली वारदात मई 2025 में खालवा थाना क्षेत्र के एक गांव में हुई थी, जहाँ 45 वर्षीय आदिवासी महिला के साथ शराब के नशे में धुत आरोपियों हरि (हरिराम) और सुनील ने हैवानियत की सारी हदें पार कर दी थीं। आरोपी महिला को जानते थे और उसे अपने साथ ले गए थे। वहां उन्होंने महिला को अपनी हवस का शिकार बनाया और दरिंदगी करते हुए उसके प्राइवेट पार्ट में हाथ डालकर बच्चेदानी और आंतें बाहर खींच निकाली थीं। अत्यधिक रक्तस्राव और अंदरूनी अंगों

सुनील | हरि

में हुई गंभीर चोटों के कारण महिला की तड़प-तड़प कर मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार किया था और आरोपी हरिराम के बेटे ने भी अपने पिता के खिलाफ गवाही दी थी, जो अभियोजन पक्ष के लिए अहम साबित हुई।

अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत किए गए डीएनए रिपोर्ट, मेडिकल साक्ष्य और गवाहों के बयानों के आधार पर कोर्ट ने हरिराम को मुख्य दोषी माना। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला के शरीर पर मिली चोटें इतनी भयावह थीं कि उन्हें देखकर डॉक्टर्स और खुद जज भी सिहर उठे थे। कोर्ट ने माना कि हरिराम ने जिस क्रूरता का परिचय दिया, वह विरले मामलों में ही देखने को मिलती है। हालाँकि, दूसरे आरोपी सुनील के खिलाफ प्रत्यक्ष प्रमाण न मिलने और घटना में उसकी संलिप्तता पूरी तरह सिद्ध न हो पाने के कारण उसे संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया गया।

खंडवा में स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर एएनएम निलंबित

बीएमओ, डॉक्टर और कई कर्मियों का वेतन काटने के निर्देश

नवभारत न्यूज

खंडवा। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने और मैदानी अमले की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर ऋषभ गुप्ता ने अब सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। बुधवार को छैगांवमाखन जनपद पंचायत में आयोजित स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान कलेक्टर के कड़े तेवर देखने को मिले। उन्होंने कहा कि जनहित और स्वास्थ्य सेवाओं में कोताही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समीक्षा के दौरान कार्य में लापरवाही पाए जाने पर कलेक्टर ने एक एएनएम को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया, जबकि विकासखंड चिकित्सा अधिकारी सहित कई अन्य

कर्मचारियों का वेतन काटने के निर्देश जारी किए।

लापरवाह अधिकारियों और कर्मचारियों पर गिरी गाज : बैठक के दौरान कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री गुप्ता ने ग्राम कांकरिया की एएनएम सुनीता गनिया को कर्तव्यों के प्रति उदासीनता बरतने का दोषी पाया और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को उन्हें तत्काल निलंबित करने के निर्देश दिए। वहीं कलेक्टर ने टेमीखुर्द की एएनएम और चिचगोहन के मेडिकल ऑफिस डॉ प्रवीण बिड़ला द्वारा बरती गई लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए उनका एक-एक माह का वेतन काटने का आदेश दिया।

इसके अतिरिक्त, छैगांवदेवी, निहालवाड़ी, बरूड़ व देशगांव की एएनएम, देशगांव के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी और पर्यवेक्षण में कमी के चलते स्वयं विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी छैगांवमाखन का भी एक-एक माह का वेतन राजसात करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी कि वे विभागीय पोर्टल पर दर्ज जानकारी की नियमित मॉनिटरिंग करें।

गर्भवती महिलाओं के लिए 4 अनिवार्य जांच' का प्रोटोकॉल : संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने और मातृ-मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से कलेक्टर ने एंटी नेटल केयर पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि गर्भावस्था के 9 माह के दौरान प्रत्येक महिला का कम से कम 4 बार स्वास्थ्य परीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए।

कलेक्टर ने कहा कि यदि इन जांचों में किसी महिला को कोई जटिलता पाई जाती है, तो उसे तुरंत जिला अस्पताल रेफर कर वरिष्ठ विशेषज्ञों से उपचार कराया जाए।

एनीमिक महिलाओं के लिए विशेष शिविर : रक्त की कमी से जूझ रही गर्भवती महिलाओं की पहचान कर उनके उपचार के लिए कलेक्टर ने धनगांव, सिलौदा, बरूड़, सालई और देशगांव में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रश्मि कौशल, डीपीएम शैलेंद्र सोलंकी सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे, जहाँ टीकाकरण, एनसीडी और ई-संजीवनी कार्यक्रमों की भी गहन समीक्षा की गई।